हाजरी वाचन कार्यक्रम

भले प्राण चले जाएं साधना पथ को न छोड़ें - आचार्य महाश्रमण

सरदारशहर 6 अक्टूबर, 2010

आचार्य महाश्रमण ने आज तेरापंथ भवन में आयोजित हाजरी वाचन कार्यक्रम में साधु-साध्वियों के विशेष उद्‌बोधन प्रदान करते हुए कहा कि प्राण छोड़ देंगे, साधना के पथ को नहीं छोड़ेंगे, यह भावना पुष्ठ होनी चाहिए, हम आत्मा की साधना के लिए घर छोड़ देते हैं। खाने-पीने, ऐशो आराम के लिए नहीं। हमारे सभी शिष्य-शिष्याएं खाते-पीते घरों से आए हैं। सभी को साधना के पथ पर आने वाली कठिनाइयों को सहने का अज़्यास करना है। साधना करने से अनेक लब्धियां प्राप्त हो सकती है पर हमारा लक्ष्य आत्मशुद्धि होना चाहिए। साधना का प्रभाव आगे अनेक जन्मों तक रहता है। उन्होंने कहा कि संघ हमारा है, हम शासन के हैं इस तथ्य को ध्यान में रखें। शासन का हमारे उपर ऋण होता है उस ऋण को संघ की ज्यादा से ज्यादा सेवा कर उतारने का प्रयास करें।

आचार्य महाश्रमण ने कहा कि वर्ण, अग्नि, कषाय और ऋण को कभी छोटा मत समझो, इसका तुरंत उपचार समाधान हो जाना चाहिए। अन्यथा विकराल रूप बन सकता है, श्रामण्य का सार है उपशम की साधना करना। साधना के प्रति जागरूकता बढ़े, साधना पुष्ठ हो ऐसा अज़्यास करें। उन्होंने बाल मुनियों एवं साध्वियों को विशेष तौर से अध्ययन पर ध्यान देने की प्रेरणा देते हुए कहा कि संस्कृत, प्राकृत, अंग्रेजी के विद्वान बनने का लक्ष्य रखें। गौरव के साथ नामोल्लेख कर सके, ऐसा विकास सभी को करना है। आचार्य प्रवर ने सभी साधु-साध्वियों को मर्यादाओं का पुनरावर्तन करवाया एवं नवदीक्षित साधु-साध्वियों को 21-21 कल्याणक बक्शीष दिये एवं मुनि शुभंकर को 21 कल्याणक के साथ लेखपत्र के प्रथम बार उच्चारण हेतु 5 कल्याणक और बक्शीष प्रदान किये।

61वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से आयेंगे अणुव्रती कार्यकर्त्ता

अणुव्रत अधिवेशन को संबोधित करेंगे गहलोत

सरदारशहर 6 अक्टूबर, 2010

अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में स्थानीय तेरापंथ भवन में 9, 10, 11 अक्टूबर को अणुव्रत महासमिति द्वारा राष्ट्रीय 61वां अणुव्रत अधिवेशन आयोजित किया जायेगा। इस अधिवेशन में सज़्पूर्ण देश से अणुव्रत कार्यकर्त्ता सज़्मलित होंगे। अणुव्रत आंदोलन के कार्यकर्ताओं को 10 अक्टूबर प्रातः 9 बजे के एक विशिष्ट कार्यक्रम में राजस्थान के मुज़्यमंत्री अशोक गहलोत संबोधित करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए अणुव्रत समिति सरदारशहर के अध्यक्ष रावतमल सैनी ने बताया कि अणुव्रत आन्दोलन में नये प्राण संचारित करने के उद्देश्य से आयोजित इस विराट अधिवेशन में मुज़्यमंत्री अशोक गहलोत मुज़्यअतिथि के तौर पर सज़्मलित होंगे। आजादी के बाद नैतिक मूल्यों की प्रतिष्ठा को लेकर आचार्य तुलसी द्वारा चलाये गये बहुचर्चित इस अणुव्रत आन्दोलन से देश के तत्कालिन दिग्गज राजनीतिज्ञों का जुड़ाव रहा है। अध्यक्ष सैनी के अनुसार इस अधिवेशन में इस बार अनेक शिक्षाविद्, साहित्यकार, मीडिया से जुड़े हुए विशिष्ट लोग भी इस अधिवेशन में सज़्मलित होंगे। अणुव्रत महासमिति के अध्यक्ष निर्मल रांका, महामंत्री विजयराज सुराणा, अणुव्रत विश्व भारती के अध्यक्ष तेजकरण सुराणा, समाजसेवी मूलचन्द मालू, आचार्य महाप्रज्ञ चातुर्मास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष सुमतिचन्द गोठी, पद्मश्री डॉ. श्यामसिंह 'शशि', हरियाणा राज्यकवि उदयभानु हंस, अखिल भारतीय अणुव्रत नयास के प्रबंध न्यासी धनराज बोथरा विशेष तौर पर इस अधिवेशन में उपस्थित रहेंगे।

– **शीतल बरड़िया** (मीडिया संयोजक)